इकाई 3: हरी-भरी धरती

चित्र और बातचीत

© NCERT not to be republished

शिक्षण-संकेत – इस चित्र में आप क्या-क्या देख पा रहे हैं? अलग-अलग पंछी आपस में क्या बातें करते होंगे? पेड़, पंछियों से क्या कहते होंगे? हरी-भरी धरती को हमेशा हरी-भरी रखने के लिए हमें क्या करना चाहिए? चित्र में एक बच्चे ने श्रवण-यंत्र पहना है और एक ने चश्मा। बच्चों से इस पर बात कीजिए कि श्रवण-यंत्र किस प्रकार काम करता है? उद्देश्य यह है कि बच्चे तरह-तरह की आवश्यकताओं और परिस्थितियों से परिचित हों और एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील बनें। शिक्षक इन सभी प्रश्नों का उपयोग कर बच्चों को अपनी भाषा में मन की बात कहने के लिए प्रोत्साहित करें एवं उपयुक्त अवसर प्रदान करें।

13

तालाब

इस तालाब का नाम छोटा तालाब है। यहाँ तुम्हें कई लोग दिखेंगे — केंचुए, साँप, केकड़े, मेंढक, कनखजूरे, दो कछुए और उनके साथ बच्चे...।

मछलियाँ पता नहीं कितनी होंगी! मच्छर जैसे कई उड़ाकू तुम्हें वहाँ मिलेंगे। तितलियाँ, गिलहरियाँ, चींटियाँ। कभी-कभी छिपकलियाँ और गिरगिट भी इधर चले आते हैं।

तालाब के किनारे एक पेड़ है। इस पर मकड़ियों के जाले हैं। और चिड़ियाँ! उनका तो पूछो ही मत — कौए, मैना, तोते, किंगफ़िशर, फ़ाख्ता...।

© NCERT not to be republished

आजकल सर्दियों के दिन हैं। मैं रोज़ इस तालाब को देखने आती हूँ। यहाँ इन दिनों सारस आए हुए हैं। छोटे तालाब पर खूब चहल-पहल है। थोड़े दिनों बाद सारस चले जाएँगे। तब तालाब को इन सबकी कितनी याद आएगी!

—शशि सबलोक

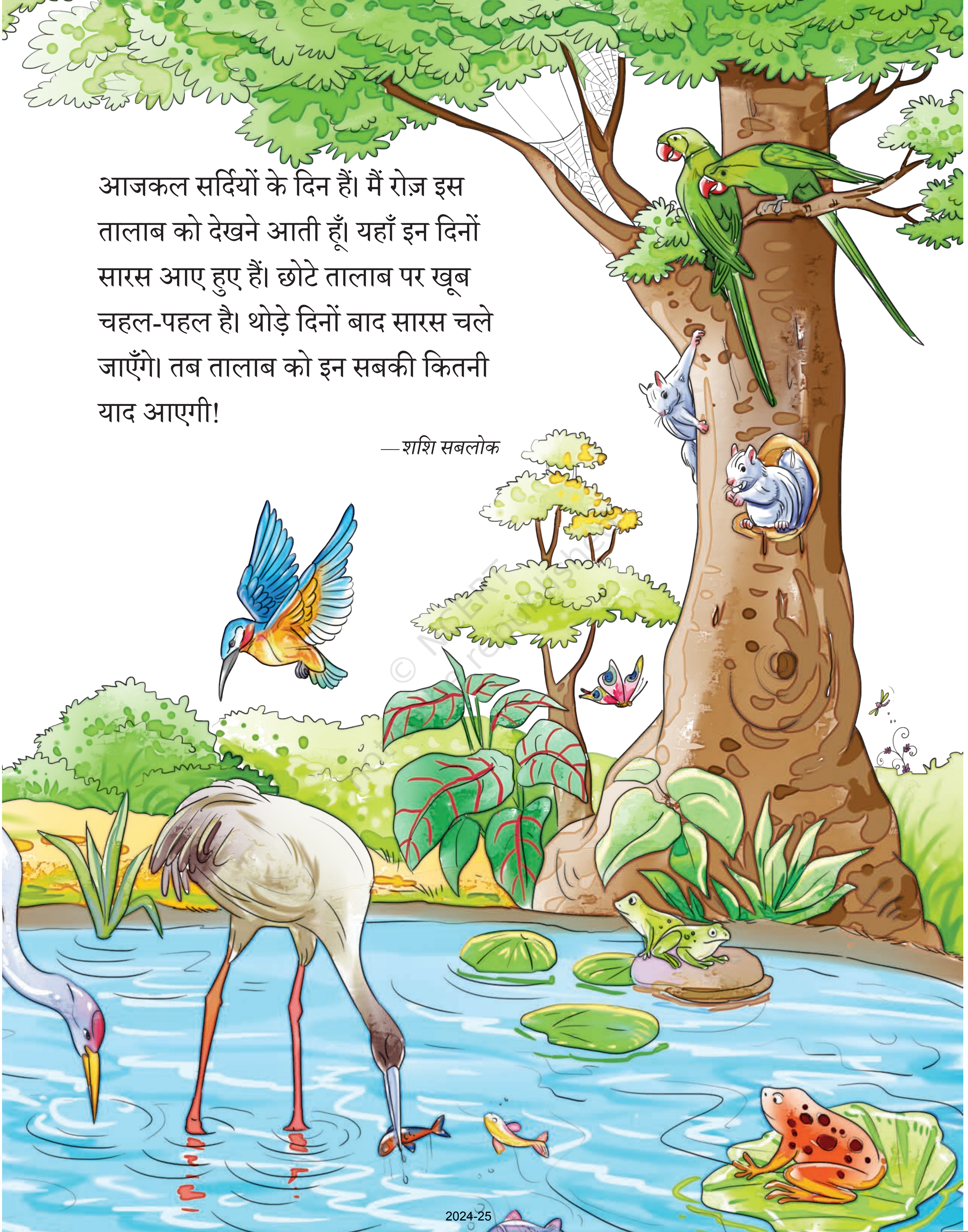

© NCERT not to be republished

क्या आप जानते हैं?

1. फ़ाख्ता पक्षी दिखने में कबूतर जैसा होता है। इसे इंग्लिश में **स्पॉटेड डव** कहते हैं। चित्र देखकर बताइए कि इसे स्पॉटेड डव क्यों कहते होंगे?
2. किंगफिशर की चोंच लम्बी होती है। किंगफिशर मछलियाँ खाना पसंद करते हैं।

फ़ाख्ता

किंगफिशर

बातचीत के लिए

1. इस तालाब को छोटा तालाब क्यों कहते होंगे?
2. इस तालाब में कौन-कौन से जीव हैं?
3. तालाब के पास इतने सारे जीव क्यों रहते होंगे?
4. तालाब को किनकी याद आएगी? और क्यों?
5. कहानी के इस वाक्य में 'उड़ाकू' का अर्थ क्या हो सकता है?

मच्छर जैसे कई उड़ाकू तुम्हें वहाँ मिलेंगे।

© NCERT not to be republished

नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपनी कॉपी में लिखिए –

1. सही या गलत पर घेरा लगाइए और कारण भी बताइए –
   - (i) ये सारस हमेशा उसी छोटे तालाब के पास रहेंगे। सही / गलत
   - (ii) यह कहानी गर्मियों में लिखी गई है। सही / गलत
2. आप तालाब के पास होते तो क्या करते? लिखिए –

   ....

   ....

3. 'क्ष' अक्षर की पहचान कीजिए और 'क्ष' से बनने वाले शब्दों को पहचान करके दोबारा लिखिए –

क्ष

शब्द	ट्रेस करिए	खुद लिखिए
पक्षी	पक्षी	....
अक्षर	अक्षर	....
कक्षा	कक्षा	....
शिक्षा	शिक्षा	....

पहेली

चिड़िया को उसके घोंसले तक पहुँचने में उसकी सहायता कीजिए –

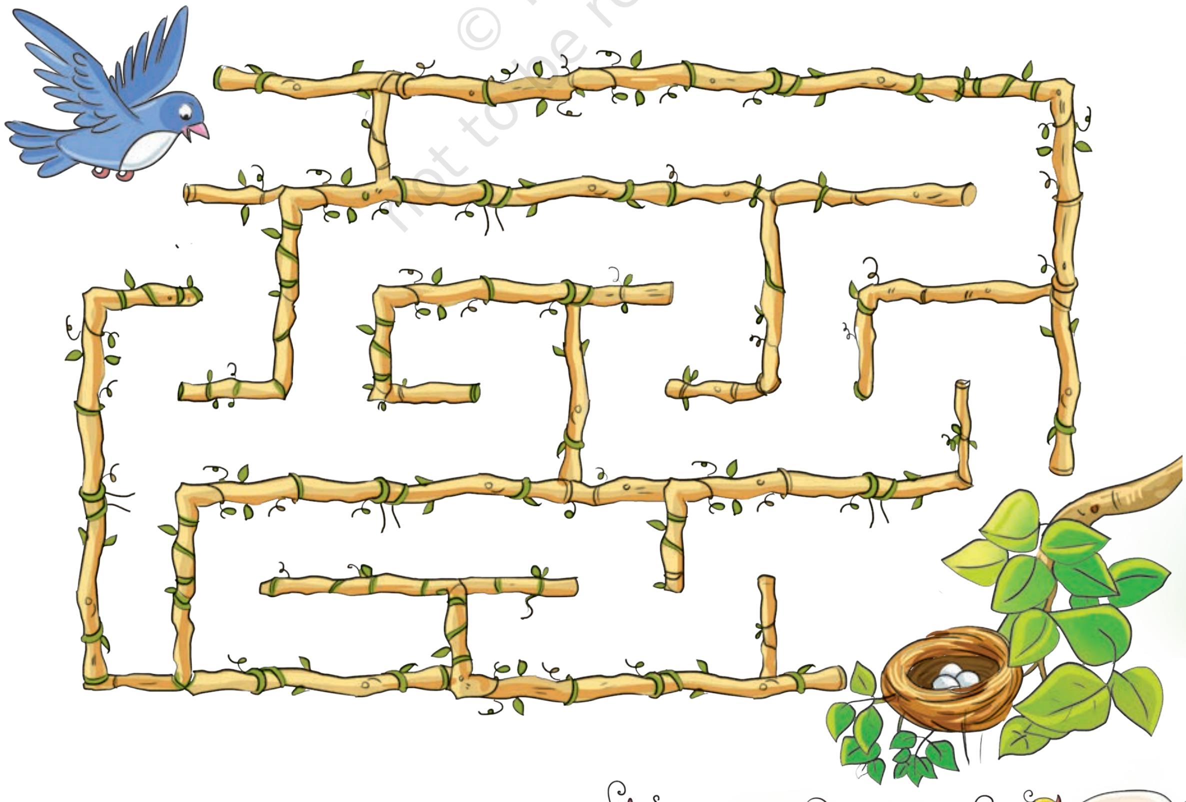

© NCERT not to be republished

शब्दों का खेल

जीवों के नाम को उनके चित्र से रेखा खींचकर जोड़िए –

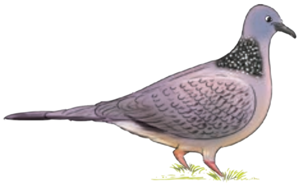

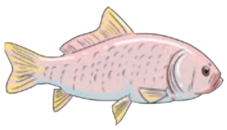

केंचुआ

सारस

साँप

कछुआ

मैना

कौआ

फ़ाख्ता

किंगफिशर

मछली

© NCERT not to be republished

खोजें-जानें

क्या आपके घर के पास कोई तालाब, नदी, झरना आदि है? क्या वह साफ़-सुथरा और खुश है? उसे साफ़-सुथरा और खुश करने के लिए हम क्या कर सकते हैं?

चित्र और बातचीत

फूलों की दुनिया

शिक्षण-संकेत – बच्चों के साथ रंग-बिरंगे फूलों के बारे में बातचीत करें। बातचीत के कुछ बिंदु इस प्रकार हो सकते हैं— आपने फूल कहाँ-कहाँ देखे हैं? आपके आस-पास कौन-कौन से फूल खिलते हैं? आपको कौन-सा फूल सबसे सुंदर लगता है और क्यों? फूलों के रंग, उनकी खुशबू, उनके खिलने का समय और महीना, फूलों को न तोड़ना आदि बिंदु भी बातचीत में सम्मिलित किए जा सकते हैं।

14

मिलकर पढ़िए

बीज

मुझे एक बीज मिला।
मैंने उसको गमले में डाला।
मैंने उसे पानी दिया और बहुत सारी धूप।
क्या यह पेड़ है?
क्या यह झाड़ी है?
क्या इसमें फूल होंगे?
क्या इसमें फल होंगे?
क्या यह लम्बा ऊँचा होगा?
क्या यह छोटा ही रहेगा?
मुझे नहीं पता।
कोई फ़र्क नहीं पड़ता!

—दीपा बलसावर

खोजें-जानें

किसी पुराने बर्तन या गमले में काले चनों को बोएँ। कुछ ही दिनों बाद चनों से हरे-भरे, छोटे-छोटे डंठल और पत्ते उगने लगेंगे। देखें, उन्हें उगने में कितना समय लगता है और कितना पानी और धूप।

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. बीज कहाँ मिला होगा?
2. पेड़ और झाड़ी में कोई फ़र्क होता है क्या?
3. कहानी में क्यों कहा गया है कि 'कोई फ़र्क नहीं पड़ता'?
4. क्या आपने कभी बीज बोया है? या किसी और को बीज बोते देखा है?
5. बीज बोने के लिए .... , ... , और .... की आवश्यकता पड़ती है।
6. बीज में .... 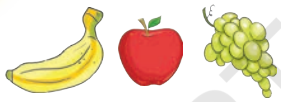 भी लग सकते हैं और .... भी।

रंग भरिए

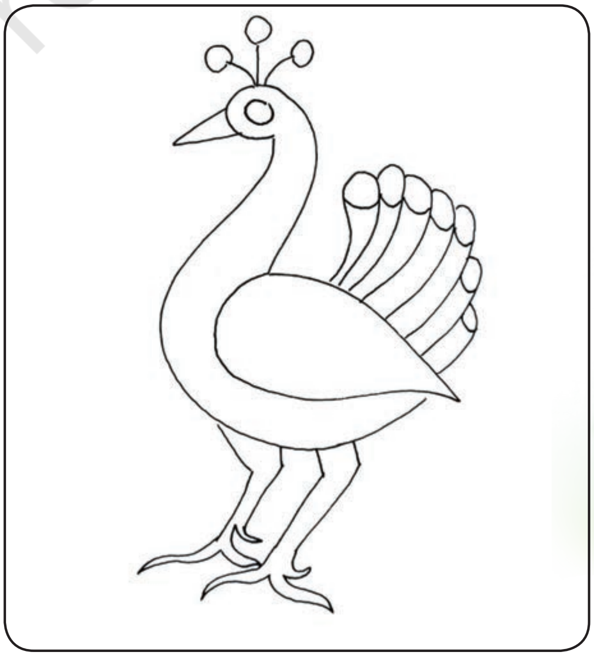

© NCERT not to be republished

15

आनंदमयी कविता

किसान

नहीं हुआ है अभी सवेरा,
पूरब की लाली पहचान,
चिड़ियों के जगने से पहले,
खाट छोड़ उठ गया किसान।

खिला-पिलाकर बैलों को ले,
करने चला खेत पर काम,
नहीं कभी त्योहार न छुट्टी,
उसको नहीं कभी आराम।

गरम-गरम लू चलती सन-सन,
धरती जलती तवे समान,
तब भी करता काम खेत पर,
बिना किए आराम किसान।

© NCERT not to be republished

बादल गरज रहे गड़-गड़-गड़,
बिजली चमक रही चम-चम,
मूसलाधार बरसता पानी,
ज़रा न रुकता लेता दम।

हाथ-पाँव ठिठुरे जाते हैं,
घर से बाहर निकले कौन,
फिर भी आग जला, खेतों की,
रखवाली करता वह मौन।

है किसान को चैन कहाँ,
वह करता रहता हरदम काम,
सोचा नहीं कभी भी उसने,
घर पर रह करना आराम।

—*सत्यनारायण लाल*

बातचीत के लिए

1. क्या आपके परिवार में कोई किसान है? वे दिन में क्या-क्या काम करते हैं?
2. क्या आप कभी खेत में गए हैं? वहाँ क्या-क्या दिखाई देता है?
3. आपको कौन-सा काम करना सबसे अच्छा लगता है?
4. लू चलने का पता आपको कैसे लगता है?
5. चिड़ियों को भगाने के लिए खेत में क्या लगाया जाता है? अपनी भाषा में उसका नाम बताइए?
6. आपको किसान की सबसे अच्छी बात क्या लगती है?

सोचिए और लिखिए

1. खेत में उगने वाली कुछ वस्तुओं के नाम लिखिए –

(i) .... (iv) ....

(ii) .... (v) ....

(iii) .... (vi) ....

2. ठंड से बचने के लिए आप किन-किन वस्तुओं का प्रयोग करते हैं? उनके नाम लिखिए –

....

....

....

© NCERT not to be republished

शब्दों का खेल

इस कविता में सन-सन, गड़-गड़-गड़ और चम-चम जैसे शब्द आए हैं। ऐसे ही अपनी पसंद के कुछ और शब्द बनाइए और कविता पूरी कीजिए –

हवा चलती सन-सन,
पत्ते उड़ते ....।
बादल गरजते गड़-गड़-गड़,
बिजली चमकती चम-चम।

बारिश होती ....,
ओले बरसते ....।
सब शांत हो जाता ....,
फिर सूरज चमकता ....!

आइए, कुछ बनाएँ

यह 'बाघ बचाओ' का पोस्टर है। बिंदुओं को मिलाकर पोस्टर को पूरा कीजिए और एक संदेश लिखिए –

© NCERT not to be republished

चित्रकारी और लेखन

कप्पू एक भूरे रंग का कुत्ता है जो एक खेत में रहता है। चित्र पूरा कीजिए और कप्पू की दिनचर्या के बारे में लिखिए–

1

2

3

4

5

6

1. कप्पू सुबह उठकर सबसे पहले ....
2. फिर वह किसान के साथ ....
3. थोड़ी देर बाद कप्पू ....
4. खाना खाने के बाद कप्पू कुछ देर के लिए ....
5. शाम को कप्पू ....
6. सोने से पहले कप्पू ....

और ऐसे ही कप्पू का दिन बीत जाता है! जाने कप्पू कल क्या करेगा!

© NCERT not to be republished

मूली

0222CH16

नानाजी ने बगीचे में मूली बोयी।
मूली से नानाजी बोले,
“उगो-उगो मूली। मज़बूत बनो
और लंबी हो।”

उग आयी मोटी और लंबी मूली। नानाजी गए
उसे निकालने।
खींचते रहे, अपना पूरा ज़ोर लगाया,
मगर मूली को बाहर न ला पाए।

तो फिर नानी को आवाज़ लगायी।
नानी ने थामा नाना को, नाना ने
थामा मूली को।
दोनों ने पूरा ज़ोर लगाया। मगर
मूली को दोनों निकाल न पाए।

© NCERT not to be republished

तभी नानी ने नातिन को बुलाया। नातिन ने थामा नानी को, नानी ने थामा नाना को, नाना ने थामा मूली को, सबने मिलकर खींचा।

मिलकर पूरा ज़ोर लगाया।
मगर मूली को निकाल
न पाए।

तब नातिन ने अपने कुत्ते को बुलाया। कुत्ते ने नातिन को थामा, नातिन ने नानी को थामा, नानी ने नाना को थामा, नाना ने मूली को थामा, सभी ने मिलकर ज़ोर लगाया। आखिर मिलकर सबने मूली को बाहर निकाल ही डाला!

— *स्नेहलता शुक्ला*

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. मूली इतनी बड़ी कैसे हुई होगी?
2. नानाजी इतनी बड़ी मूली का क्या करेंगे?
3. मूली से क्या-क्या बनता है?
4. मूली से बनी कौन-सी चीज़ आपको पसंद है?

शब्दों का खेल

कहानी के इस वाक्य को पढ़िए –

कुत्ते ने नातिन को **थामा**, नातिन ने नानी को **थामा**, नानी ने नाना को **थामा**, नाना ने मूली को **थामा**, सभी ने मिलकर ज़ोर लगाया।

'थामा' शब्द का क्या अर्थ हो सकता है? ज़रा सोचिए! इस शब्द से कुछ वाक्य बनाकर अपनी कॉपी में लिखिए।

सोचिए और बताइए

1. नानाजी ने सभी गाँववालों को दावत पर बुलाया है। मूली के गरमागरम पराँठे और ठंडी-ठंडी लस्सी बनाने के लिए किन वस्तुओं की आवश्यकता होगी?

मूली के गरमागरम पराँठे बनाने के लिए	ठंडी-ठंडी लस्सी बनाने के लिए
....	....
....	....
....	....

2. दावत के बाद नानाजी और नानीजी रसोई की सफ़ाई कैसे करेंगे? बताइए।

© NCERT not to be republished

17

सुनें कहानी

0222CH17

बरसात और मेंढक

सोमारू और कमली जंगल घूमने गए। लौटते समय उन्हें ज़ोर की भूख लगी। उन्हें एक गाय दिखी। कमली ने गाय से कहा, "ज़रा-सा दूध दे दो तो भूख मिटे।" गाय बोली, "मेरे खाने को घास ही नहीं है। मुझे हरी-हरी घास खिलाओ तो मैं दूध दूँ।"

कमली और सोमारू चले घास लाने। पर घास तो सूखकर पीली हो गई थी। घास ने कहा, "मुझे पानी दो तो मैं खाने लायक बनूँ।"

कमली और सोमारू चले पानी लाने पर नदी तो सूखी हुई पड़ी थी। नदी ने कहा, "बरसात हो तो मुझे पानी मिले।"

© NCERT not to be republished

कमली और सोमारू चले बादल लाने। पर बादल तो बिन बरसे टँगे थे।
बादल बोले, "मेंढक टर्र-टर्र बोले तब तो हम बरसें।"

कमली और सोमारू चले मेंढक के पास। मेंढक बोले, "हम बाहर निकलते हैं तो बच्चे हमें पत्थर मारते हैं।" दोनों बोले, "जो हुआ उसके लिए माफ़ करो। अब से तुम्हें कोई पत्थर नहीं मारेगा।"

मेंढक मान गए और टर्र-टर्र करने लगे। टर्र-टर्र सुनकर बादल आए और झूमकर बरसे। नदी में पानी बहने लगा।

© NCERT not to be republished

कमली और सोमारू ने नदी से पानी लाकर घास को दिया। घास हरी हो गई। दोनों घास लेकर गाय के पास गए। गाय ने घास खाकर दूध दिया। कमली और सोमारू ने दूध पीकर अपने घर की राह ली।

—साभार, इकतारा

© NCERT not to be republished

बातचीत के लिए

1. आपको ये कहानी कैसी लगी?
2. मेंढक सोमारू और कमली की बात क्यों मान गया? क्या आप होते तो मान जाते?
3. कहानी से लिए इन वाक्यों को पढ़िए। क्या आपने कभी किसी मित्र के साथ ऐसा कुछ किया है जिससे उन्हें चोट लगी हो या बुरा लगा हो?

मेंढक बोले, "हम बाहर निकलते हैं तो बच्चे हमें पत्थर मारते हैं।"
दोनों बोले, "जो हुआ उसके लिए माफ़ करो। अब से तुम्हें कोई पत्थर नहीं मारेगा।"

शब्दों का खेल

'ढ', 'ड', 'ड़', और 'द' वाले शब्द बनाइए। फिर सभी शब्दों को ज़ोर से पढ़िए। क्या 'ढ', 'ड', 'ड़', और 'द' की ध्वनियाँ बोलने-सुनने में अलग लगती हैं?

'ढ' वाले शब्द	'ड' वाले शब्द	'ड़' वाले शब्द	'द' वाले शब्द
मेंढक	डमरू	घड़ी	बादाम
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

शिक्षण-संकेत – दूसरे प्रश्न पर सभी बच्चों को बोलने का अवसर दीजिए। कहानी के संदर्भ को बच्चों के जीवन से जोड़िए।

© NCERT not to be republished

चित्रकारी और लेखन

कमली और सोमारू ने घर जाकर क्या किया होगा? चित्र बनाइए और कहानी को आगे बढ़ाइए–

© NCERT not to be republished

उठो उठो

पत्ती डोलीं,
चिड़ियाँ बोलीं,
हुआ सवेरा, उठो उठो!

छाई लाली,
अहा निराली
मिटा अँधेरा, उठो उठो!

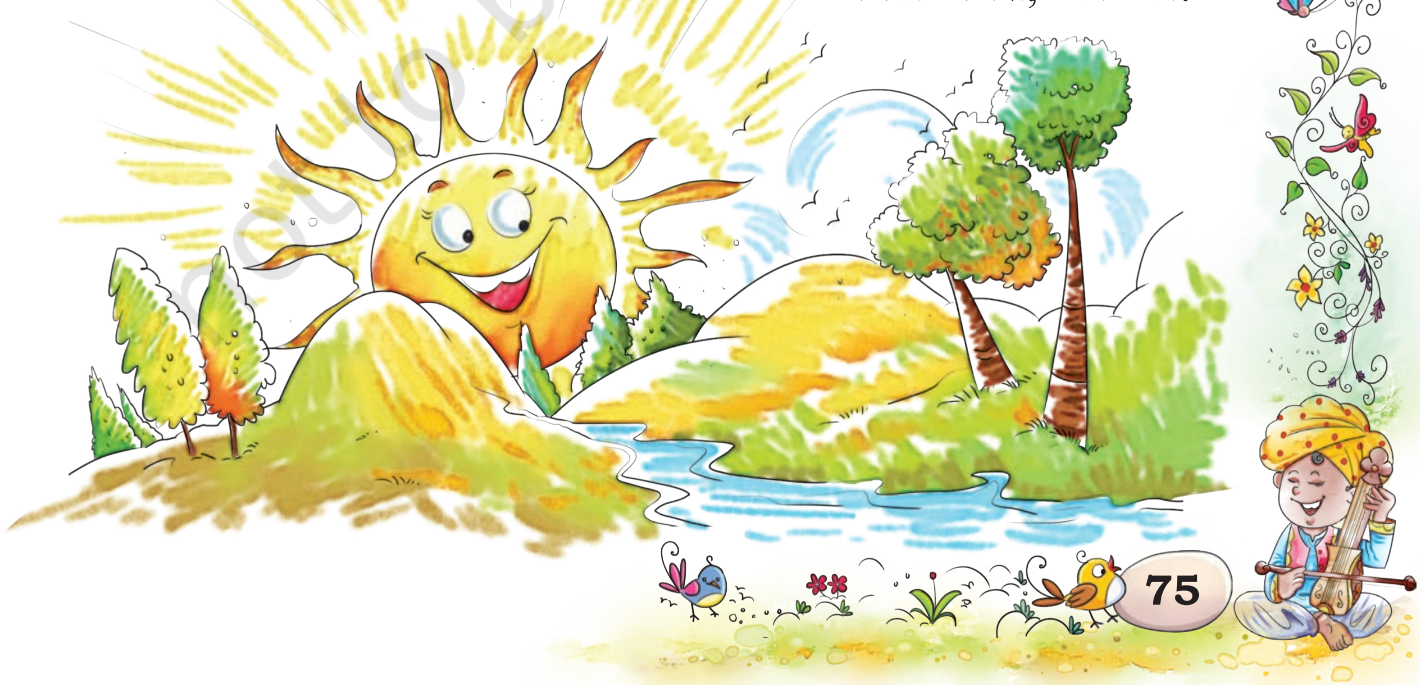

© NCERT not to be republished

आलस त्यागो,
प्यारे जागो,
आँखें खोलो, उठो उठो!

देखो झाँकी,
भारत माँ की,
जय जय बोलो, उठो उठो!

—सोहनलाल द्विवेदी

शिक्षण-संकेत – बच्चों के साथ इस कविता को हाव-भाव के साथ गाएँ। बच्चों से उनकी दिनचर्या के बारे में बातचीत कीजिए, जैसे— समय से सोना-उठना, दाँत साफ़ करना, स्नान करना, भोजन करना, पाठशाला जाना, घर के कामों में सहयोग करना आदि। सुबह के वातावरण और परिवार के सदस्यों की दिनचर्या के बारे में भी बातचीत की जा सकती है।